लखनवी अंदाज

गद्यांश

–यशपाल

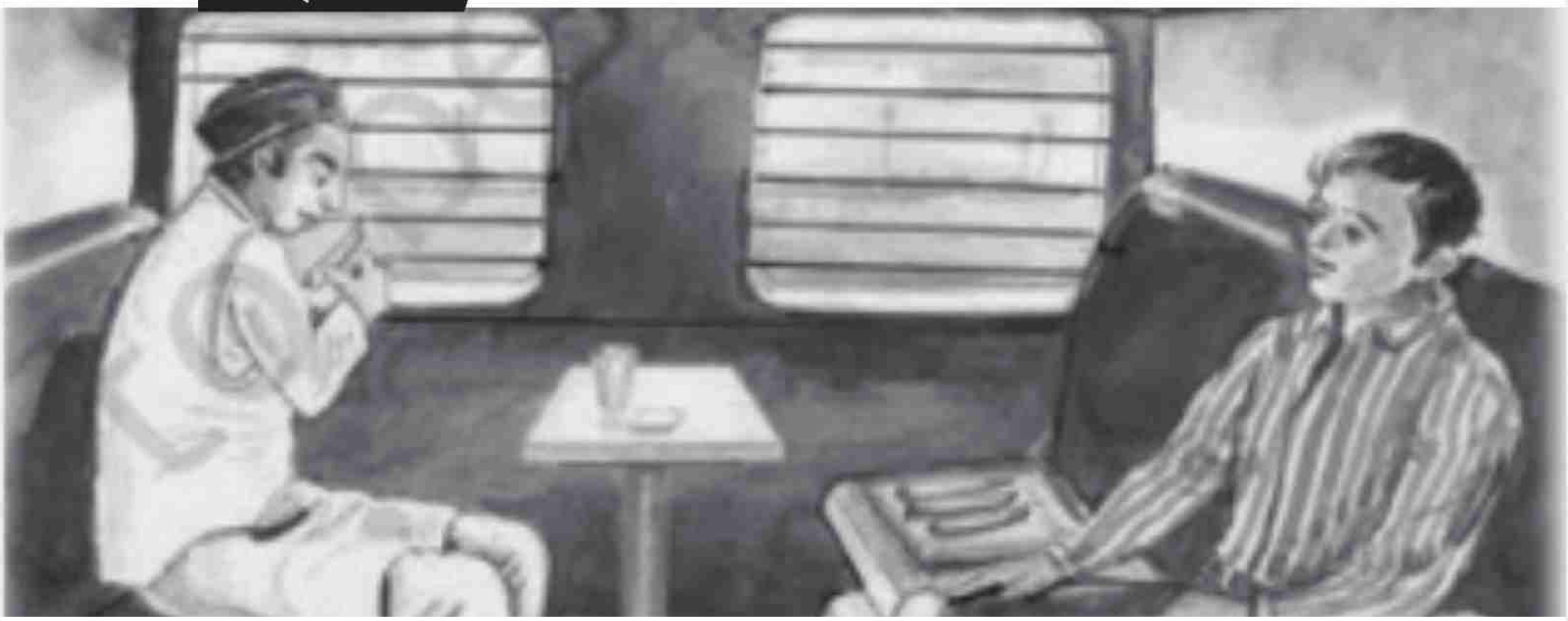

वस्तुपरक प्रश्न

[1 एवं 2 अंक]

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. लेखक नवाब साहब को कनखियों से क्यों देख रहे थे?

(i) उनसे बात करने के उद्देश्य से
(ii) उनका लिहाज़ करने के उद्देश्य से
(iii) उनके भयभीत होने के कारण
(iv) उनकी विनम्रता के कारण

उत्तर : *(i) उनसे बात करने के उद्देश्य से।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक नवाब साहब से बातचीत करना चाहते थे इसलिए वे उनकी ओर कनखियों से देख रहे थे।

2. नवाब साहब के जबड़ों में स्फुरण क्यों हो रहा था?

(i) खीरे के स्वाद की कल्पना से
(ii) खीरे को काटने से
(iii) खीरे को फेंकने से
(iv) खीरे को सूँघने से

उत्तर : *(i) खीरे के स्वाद की कल्पना से*

व्याख्यात्मक हल : दरअसल खीरे देखने में इतने स्वादिष्ट लग रहे थे कि वे नवाब साहब को लालायित कर रहे थे। इसलिए नवाब साहब के जबड़ों में स्फुरण हो रहा था।

3. लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में भागकर क्यों चढ़े थे?

(i) क्योंकि डिब्बा खाली था
(ii) क्योंकि डिब्बा भरा था
(iii) क्योंकि गाड़ी छूट रही थी
(iv) क्योंकि डिब्बे में बच्चे नहीं थे

उत्तर : *(i) क्योंकि डिब्बा खाली था।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में भागकर इसीलिए चढ़े क्योंकि गाड़ी छूट रही थी। उन्होंने सेकंड क्लास के डिब्बे की टिकट ली थी क्योंकि वह एकांत खाली डिब्बे में बैठकर अपनी कहानी के बारे में सोचने के इच्छुक थे।

4. नवाब साहब के द्वारा खीरे को केवल सूँघकर फेंकना क्या दर्शाता है?

(i) उन्हें खीरा पसंद नहीं था।
(ii) खीरा कड़वा था।
(iii) वे अपनी रईसी दिखाना चाहते थे।
(iv) खीरा भारी होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : *(iii) वे अपनी रईसी दिखाना चाहते थे।*

व्याख्यात्मक हल : नवाब साहब अपनी रईसी दिखाना चाहते थे। उनका सोचना था कि जब एक साधारण मनुष्य खीरा नहीं खा सकता तो वह तो नवाब हैं। वह उसे कैसे खा सकते हैं।

5. लेखक ने पहली बार खीरा खाने को क्यों मना किया?

(i) क्योंकि नवाब साहब ने उनसे बातचीत करने में उत्सुकता नहीं दिखाई थी।

(ii) क्योंकि नवाब साहब ने उनसे बातचीत करने में उत्सुकता दिखाई थी।

(iii) क्योंकि उन्हें खीरा पसंद नहीं था।

(iv) क्योंकि खीरा अखाद्य पदार्थ है।

उत्तर : *(i) क्योंकि नवाब साहब ने उनसे बातचीत करने में उत्सुकता नहीं दिखाई थी।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक जब डिब्बे में चढ़े थे तो नवाब साहब ने उनसे बातचीत करने में तनिक भी उत्सुकता नहीं दिखाई और अब इस प्रकार अचानक से खीरा खाने के लिए पूछना उन्हें अच्छा नहीं लगा।

6. खिड़की से बाहर देखकर नवाब साहब ने दीर्घ निश्वास क्यों लिया?

(i) क्योंकि उन्हें खीरा फेंकने का अफ़सोस था।

(ii) क्योंकि खीरा कड़वा निकल आया था।

(iii) क्योंकि खीरा नवाबों के खाने के लिए नहीं होता।

(iv) क्योंकि खीरा लेखक ने खा लिया था।

7. लेखक ने नवाब साहब से खीरा न खाने का कारण क्या बताया?

(i) उन्हें खीरा पसंद नहीं है

(ii) पेट भरा हुआ है

(iii) इच्छा नहीं है

(iv) पेट भारी हो जाता है

उत्तर : *(iv) पेट भारी हो जाता है।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक ने नवाब साहब को खीरा न खाने का यह कारण बताया कि खीरा होता तो अच्छा है पर इसे खाने से पेट भारी हो जाता है।

8. 'लखनवी अंदाज़' कहानी में वार्तालाप की शुरुआत किसने की?

(i) लेखक ने (ii) नवाब साहब ने

(iii) खीरे बेचने वाले ने (iv) ड्राइवर ने

उत्तर : *(ii) नवाब साहब ने।*

व्याख्यात्मक हल : कहानी में वार्तालाप की शुरुआत नवाब साहब ने की थी। उन्होंने लेखक से खीरे खाने के लिए पूछा। इस प्रकार दोनों के मध्य वार्तालाप शुरू हुआ।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

[बहुविकल्पीय / अति लघु / लघु प्रश्न]

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए— 1 × 5

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देख जाने के संकोच में हों। नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।

(क) लेखक कौन-से डिब्बे में चढ़े थे?

(i) सेकंड क्लास में (ii) फर्स्ट क्लास में

(iii) थर्ड क्लास में (iv) स्लीपर में

(ख) बर्थ पर बैठे हुए नवाब साहब कहाँ के रहने वाले थे?

(i) इलाहाबाद के (ii) कानपुर के

(iii) लखनऊ के (iv) बदायूँ के

(ग) नवाब साहब के चिंतन में विघ्न पड़ने का कारण क्या था?

(i) खीरों को देखना

(ii) गाड़ी का चलना

(iii) लेखक का अचानक आ धमकना

(iv) सहयात्रियों द्वारा शोर मचाना

(घ) नवाब साहब के संकोच में पड़ने का कारण क्या था?

(i) लेखक द्वारा उन्हें खीरे का शौक करते देखना

(ii) लेखक द्वारा उन्हें सेकंड क्लास में सफ़र करते देखना

(iii) लेखक द्वारा उन्हें सोते देखना

(iv) सभी विकल्प सही हैं

(ङ) लेखक ने नवाब साहब से आँखें क्यों चुरा लीं?

(i) क्योंकि नवाब साहब उनसे बात करने के लिए उत्सुक नहीं थे।

(ii) क्योंकि वे दोनों एक दूसरे को जानते नहीं थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) क्योंकि उन्हें वहाँ बैठने में संकोच हो रहा था।

(iv) क्योंकि पूरा डिब्बा खाली था।

उत्तर : (क) *(i) सेकंड क्लास में।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक को लगा कि सेकंड क्लास का डिब्बा निर्जन होगा क्योंकि उसका टिकट थोड़ा-सा महँगा था।

(ख) *(iii) लखनऊ के।*

व्याख्यात्मक हल : बर्थ पर जो नवाब साहब बैठे हुए थे, लखनऊ के थे। उन्होंने लखनवी कुर्ता पहना हुआ था।

(ग) *(iii) लेखक का अचानक आ धमकना*

व्याख्यात्मक हल : नवाब साहब ये सोचकर डिब्बे में बैठे थे कि सेकंड क्लास का टिकट महँगा होने के कारण यहाँ वे अकेले सफ़र कर सकते हैं पर लेखक के अचानक आ जाने से उनके एकांत चिंतन में विघ्न पड़ गया।

(घ) *(i) लेखक द्वारा उन्हें खीरे का शौक करते देखना।*

व्याख्यात्मक हल : नवाब साहब ने जब देखा कि लेखक जैसे साधारण व्यक्ति ने उन्हें खीरे जैसी मामूली खाद्य वस्तु का शौक करते हुए देखा है तो वे संकोच में पड़ गए।

(ङ) *(i) क्योंकि नवाब साहब उनसे बात करने के लिए उत्सुक नहीं थे।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक ने सोचा होगा कि नवाब साहब से बातचीत करते हुए उनका सफ़र आराम से कट जाएगा पर नवाब साहब ने तो बातचीत के लिए कोई उत्साह ही नहीं दिखाया। ऐसे में लेखक ने उनसे आँखें चुरा लीं।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए— 1 × 5

ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे। ...अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफ़ेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ? हम कनखियों से नवाब साहब की ओर देख रहे थे। नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।

"ओह!" नवाब साहब ने सहसा हमें संबोधन किया, "आदाब-अर्ज़; जनाब, खीरे का शौक फरमाएँगे?" नवाब साहब का सहसा भाव-परिवर्तन अच्छा नहीं लगा। भाँप लिया, आप शराफत का गुमान बनाए रखने के लिए हमें भी मामूली लोगों की हरकत में लथेड़ लेना चाहते हैं। जवाब दिया, "शुक्रिया, क़िबला शौक फरमाएँ।"

(क) ठाली बैठने पर लेखक की क्या आदत है?

(i) कल्पना करते रहना

(ii) नवाब साहब के बारे में सोचना

(iii) बैठे रहना

(iv) चले जाना

(ख) लेखक कनखियों से नवाब साहब की ओर क्यों देख रहे थे?

(i) क्योंकि उन दोनों के मध्य कोई वार्तालाप नहीं हुआ था।

(ii) क्योंकि नवाब साहब ऐसा ही चाहते थे।

(iii) क्योंकि लेखक ऐसा ही चाहते थे।

(iv) क्योंकि उन्हें बातचीत करना पसंद नहीं था।

(ग) लेखक ने मामूली लोगों की हरकत किसे कहा है?

(i) सेकंड क्लास में सफ़र करने को

(ii) खीरा खाने को

(iii) खिड़की से बाहर देखने को

(iv) नवाबी रौब दिखाने को

(घ) नवाब साहब ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा होगा?

(i) अकेले सफ़र करने के उद्देश्य से

(ii) लेखक के साथ सफ़र करने के उद्देश्य से

(iii) सोते हुए सफ़र करने के उद्देश्य से

(iv) जागते हुए सफ़र करने के उद्देश्य से

(ङ) नवाब साहब ने खीरे क्यों खरीदे होंगे?

(i) अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए

(ii) खाने के लिए

(iii) खिलाने के लिए

(iv) फेंकने के लिए

उत्तर : (क) *(i) कल्पना करते रहना।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक की पुरानी आदत थी कि खाली बैठने पर वह कुछ न कुछ कल्पना करते रहते थे।

(ख) *(i) क्योंकि उन दोनों के मध्य कोई वार्तालाप नहीं हुआ था।*

व्याख्यात्मक हल : नवाब साहब और लेखक के बीच किसी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई थी, वे दोनों एक दूसरे से अनजान थे।

(ग) *(ii) खीरा खाने को।*

व्याख्यात्मक हल : लेखक ने नवाब साहब जैसे रईस व्यक्ति द्वारा खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु खाने को मामूली लोगों की हरकत कहा है।

(घ) *(i) अकेले सफ़र करने के उद्देश्य से।*

(ङ) *(i) अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए।*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए— 1 × 5

नवाब साहब ने फिर एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया और दृढ़ निश्चय से खीरों के नीचे रखा तौलिया झाड़कर सामने बिछा लिया। सीट के नीचे से लोटा उठाकर दोनों खीरों को खिड़की से बाहर धोया और तौलिए से पोंछ लिया। जेब से चाकू निकाला। दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला। फिर खीरों को बहुत एहतियात से छीलकर फाँकों को करीने से तौलिए पर सजाते गए। लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वाले खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं। ग्राहक के लिए जीरा मिला नमक और पीसी हुई लाल मिर्च की पुड़िया भी हाज़िर कर देते हैं।

(क) नवाब साहब ने खीरा खाने के लिए क्या तैयारी की?
- (i) तौलिया झाड़कर सामने बिछा लिया
- (ii) खीरों को धोया
- (iii) जेब से चाकू निकालकर खीरे के सिर काटे
- (iv) सभी विकल्प सही हैं

(ख) खीरों को काटकर नवाब साहब ने झाग क्यों निकाला?
- (i) उनकी कड़वाहट दूर करने के लिए
- (ii) उन्हें छीलने के लिए
- (iii) उन्हें काटने के लिए
- (iv) उन्हें लेखक को खिलाने के लिए

(ग) खीरों को काटकर नवाब साहब ने क्या किया?
- (i) उनको करीने से सजाया
- (ii) उन्हें खा लिया
- (iii) उन्हें खिड़की से बाहर फेंक दिया
- (iv) उन्हें तौलिए से पोंछा

(घ) गद्यांश में प्रयुक्त 'एहतियात' का अर्थ है—
- (i) सावधानीपूर्वक
- (ii) असावधानीवश
- (iii) गंभीरतापूर्वक
- (iv) निराशाजनक

(ङ) गद्यांश के लेखक हैं—
- (i) स्वयं प्रकाश (ii) मन्नू भंडारी
- (iii) यशपाल (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

वर्णनात्मक प्रश्न

[2 अंक]

लघु उत्तरीय प्रश्न (30 — 40 शब्द)

12. 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा? [CBSE 2016, 14]

उत्तर : ट्रेन में बैठकर खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हुए अपनी नई कहानी सोचने के उद्देश्य से लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा। संभवतया उन्हें ज्यादा दूर भी नहीं जाना था और वे भीड़ से बचना चाह रहे थे ।

13. नवाब साहब ने खीरों को सूँघा और खिड़की से बाहर फेंक दिया। नवाब साहब के इस व्यवहार को उचित या अनुचित कैसे ठहराएँगे? [CBSE 2014]

उत्तर : नवाब साहब ने खीरों को सूँघा और खिड़की से बाहर फ़ेंक दिया। नवाब साहब का यह व्यवहार अनुचित है क्योंकि वह अपनी नफासत, नवाबी शान और तहज़ीब दिखाना चाहते थे इसलिए उन्होंने आम आदमी के समान खीरे को खाकर नहीं बल्कि उसे सूँघकर, उसकी गंध और स्वाद की कल्पना मात्र से ही अपना पेट भर लिया। यह उनके दिखावटी स्वभाव की ओर संकेत करता है।

14. यद्यपि लेखक के मुँह में पानी भर आया फिर भी उसने खीरा खाने से इंकार क्यों किया? [Diksha]

उत्तर : यद्यपि लेखक के मुँह में पानी भर आया फिर भी उसने खीरा खाने से इंकार इसीलिए किया क्योंकि पहले तो नवाब ने उनकी तरफ देखा भी नहीं और अचानक उन्हें खीरा खाने को आमंत्रित कर दिया। इसके अतिरिक्त लेखक ने पहली बार जब खीरा खाने को मना कर दिया तो अब हाँ करने पर उनका आत्मसम्मान नष्ट हो जाता और लेखक ऐसा नहीं चाहते थे।

15. खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। आपने नवाबों की और भी सनकों के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है? यदि हाँ, तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए। [CBSE 2015]

उत्तर : खीरे के संबंध में नवाब साहब का व्यवहार उनकी सनक ही है क्योंकि कोई समझदार व्यक्ति ऐसा कदापि नहीं करेगा। यह ज़रूरी नहीं कि सनक नकारात्मक ही हो। सनक के सकारात्मक परिणाम भी होते हैं। हमारे देश को स्वतंत्र कराने वाले महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, लाला लाजपत राय आदि स्वाधीनता सेनानी भी सनकी ही थे क्योंकि देश को स्वतंत्र कराने की अपनी सनक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने परिवार यहाँ तक कि अपने प्राणों के बारे में भी नहीं सोचा। उनकी सनक के सकारात्मक रूप के कारण ही हम आज स्वतंत्र भारत में साँस ले रहे हैं।

16. नवाब साहब ने अपने तरीके से खीरा खाने के बाद क्या किया और क्यों? **[CBSE 2014]**

उत्तर : नवाब साहब ने अपने तरीके से खीरा खाने के बाद अपने हाथ और मुँह इस प्रकार पोछें मानो उन्होंने सचमुच में ही खीरा खाया हो। इसके बाद वे लेटकर यह प्रदर्शित करने लगे कि मानो खीरा काटने से लेकर खाने तक की पूरी प्रक्रिया में वे बहुत थक गए हों। इसके बाद डकार लेकर उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि वे तृप्त हो गए हैं।

17. लेखक ने नवाब साहब के सामने की बर्थ पर बैठकर भी आँखें क्यों चुराईं? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए। **[CBSE 2012]**

उत्तर : जब लेखक सेकंड क्लास के खाली डिब्बे में चढ़े तो उन्होंने वहाँ एक बर्थ पर नवाब साहब को बैठे देखा। लेखक को देखकर नवाब साहब ने प्रथम परिचय का कोई शिष्टाचार नहीं निभाया। जब उन्होंने ही संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया तो लेखक को यह अपना अपमान लगा। जवाब में लेखक ने भी नवाब साहब के सामने की बर्थ पर बैठकर उन्हें अनदेखा कर दिया।

18. नवाब साहब ने अपनी नवाबी का परिचय किस प्रकार दिया? पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर : नवाब साहब ने खीरे को न खाते हुए उसे केवल सूँघकर ही फेंक दिया और इस प्रकार डकार लेकर लेट गए मानो उनका पेट अच्छी तरह भर गया हो। इस प्रकार उन्होंने खीरा सूँघकर अपनी उदरपूर्ति का परिचय देते हुए अपनी नवाबी का परिचय दिया।

19. 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब पतनशील सामंती वर्ग के जीते-जागते उदाहरण हैं। टिप्पणी लिखिए।

20. 'लखनवी अंदाज़' व्यंग्य किस सामाजिक वर्ग पर कटाक्ष करता है?

उत्तर : 'लखनवी अंदाज़' उस सामाजिक वर्ग पर कटाक्ष करता है जो अपनी झूठी शान को बनाए रखने के लिए सनकी व्यवहार का प्रदर्शन करता है। समाज में उपहास का पात्र बनता है।

21. 'लखनऊ के नवाबी नस्ल के सफ़ेदपोश सज्जन' में क्या व्यंग्य किया गया है? **[Diksha]**

उत्तर : लेखक ने यहाँ लखनऊ के नवाबों के दिखावटी स्वभाव पर व्यंग्य किया है। ये नवाब अत्यंत ही नफासती और शिष्ट होते हैं। अपनी इन विशेषताओं को ये इतना बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं कि समाज में उपहास का पात्र बन जाते हैं। उनकी इन्हीं विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए लेखक ने 'नस्ल' शब्द का प्रयोग किया है। उनके अनुसार ये आम मानव जाति के न होकर अन्य मानव जाति के हैं।

22. किन-किन चीज़ों के रसास्वादन के लिए आप किस-किस प्रकार की तैयारी करते हैं? **[Diksha]**

उत्तर : फल खाने के लिए उसे धोकर, काटकर उस पर नमक-मिर्च और चाट मसाला डालते हैं। रायते का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें भुना जीरा और नमक डालते हैं। नींबू-पानी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें भुना हुआ जीरा और काला नमक डालते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in